

विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय- हिंदी
वर्ग- पंचम

दिनांक-27/06/2020
विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी
पाठ-5 (हमारे वृक्ष)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने व्याकरण अध्ययन किए। हमें पूर्ण विश्वास है की आपने अध्ययन-सामग्री पूरे मनोयोग से पढ़ा होगा। आज आप हमारे वृक्ष कहानी का अध्ययन करेंगे जो कि इस प्रकार है:—

हमारे जीवन में वृक्षों का बहुत महत्व है। स्वस्थ जीवन के लिए वृक्ष आवश्यक है। भारतीय संस्कृति में वृक्षों की पूजा करने की परंपरा रही है। वृक्षों से वातावरण प्रदूषण मुक्त रहता है।

यहाँ कुछ उपयोगी वृक्षों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

नीम अन्य वृक्षों की तरह उगने वाला एक साधारण वृक्ष नहीं है। भारतीय संस्कृति में इस वृक्ष को विशेष स्थान प्राप्त है। भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद से लेकर लोक साहित्य तक में नीम की गौरवशाली पहचान रही है। नीम का वैज्ञानिक नाम 'ऐजेरिक्टा इंडिका' है। नीम को गुजराती में 'लोमड़ी', बंगला में 'नीमगाछ' तथा दक्षिण-भाषाओं में 'वेप' के नाम से जाना जाता है। नीम एक बहुउपयोगी वृक्ष है। इसके पत्ते, फल, फूल, गोंद, छाल, तना, लकड़ी, जड़ आदि सभी भाग उपयोगी हैं।

विशेषतः आयुर्वेदिक औषधियों में इसका विशेष प्रयोग होता है। नीम का फल 'निबोली' वर्षा के प्रारम्भ होते ही पककर नीचे गिरने लगता है। इन्हें एकत्रित करके सूखा लिया जाता है। लगभग एक किलोग्राम में 3500 सूखे बीज होते हैं।

बच्चों आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य:—

बच्चों पेज नं-46 में दिए गए शब्दार्थ को न्याय करके अपने माता-पिता को सुनाएँ।